Roll No.....

S-10177

M.A (First Semester)

EXAMINATION, 2022-23

Sanskrit

Paper Third

[भारतीय दर्शन]

Time : 2.30 Hours] **[Maximum Marks : 80**

नोट– खण्ड 'अ' में से किन्हीं चार प्रश्नों के और खण्ड 'ब' में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर को दी गयी उत्तर पुस्तिका तक सीमित रखें। 'बी' उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट– प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। किन्हीं चार के उत्तर दें।

4 × 5 = 20

1. भारतीय दर्शन का अभिप्राय विस्तृत व्याख्या कीजिए।
2. आस्तिक अर्थात वैदिक दर्शन के प्रकार संक्षिप्त रूप में लिखिए।
3. सांख्य दर्शन की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
4. तर्कभाषा में सोलह पदार्थों का विवेचन संक्षिप्त में कीजिए।
5. तर्कभाषा में कितने प्रकार के गुण हैं विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. केशव मिश्र का जीवन परिचय विस्तारपूर्वक लिखिए।
7. सांख्यकारिका के प्रणेता आचार्यवर ईश्वर कृष्ण की जीवन परिचय लिखिए।
8. 'निरीश्वर सांख्य' और 'सेश्वर' सांख्य को विस्तार से लिखिए।

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note: प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। किन्हीं चार के उत्तर दें।

4 × 15 = 60

9. सांख्य नामकरण के तीन मतों को लिखिए।
10. सांख्य और योग की एकता स्पष्ट कीजिए।

11. "दुःखत्रयाभिधाताज्जिज्ञासा ऋभिघातके हेतौ।
दृष्टे सापार्था चेत्रैकान्तात्यन्ततोऽभाषात्।।"
"कारिका का अर्थ स्पष्ट कीजिए।"

12. अहंकार का लक्षण बताइए।

13. तर्कभाषा में प्रयोजन–अनुबन्ध चतुष्टय को स्पष्ट कीजिए।

14. 'तर्क' नाम एक पदार्थ है स्पष्ट कीजिए।

15. भारतीय दर्शन का सामान्य रूप से विभाजन कीजिए।

16. 'सत्कार्यवादी" कौन सा दर्शन है स्पष्ट कीजिए।